मूल्य 1 रु.

वर्षः 10 - अंक : 86, मुंबई, सोमवार, 1 जून, 2020 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान

दैनिक

मुंबई हलचल

भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त R

अब हर सच होगा उजागर

मोदी सरकार पर निशानाः शिवसेना नेता राउत ने कहा...

कोरोना फैलने के लिए नमस्ते ट्रंप कार्यक्रम जिम्मेदार

इससे गुजरात के बाद मुंबई-दिल्ली में संक्रमण बढ़ा

संवाददाता

मुंबई। शिवसेना नेता संजय राउत ने रविवार को कहा कि गुजरात और बाद में मुंबई और दिल्ली में कोरोना वायरस फैलाने के लिए फरवरी में अहमदाबाद में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के स्वागत में आयोजित किया गया कार्यक्रम जिम्मेदार है जिसमें ट्रंप के शिष्टमंडल के कुछ सदस्यों ने हिस्सा लिया था।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

दैनिक मुंबई हलचल ने 20 अप्रैल 2020 के अंक में ही 'भारत पर भारी पड़ा मोदी का ट्रंप प्रेम' हेडलाईन के साथ विस्तार से पूरी खबर को लिखा था. कि डोनाल्ड ट्रंप के कार्यक्रम के कारण ही पूरे देश में कोरोना फैला है, भारत में पहला कोरोना संदिग्ध मिलने के बाद भी गुजरात में लाखों की संख्या में इस कार्यक्रम के लिए जनता को बुलाया गया था.

॥ शुभ लाभ ॥
MIX MITHAI

• मोतीचूर लड्डू • काजू कतरी • काजू रोल
• बदाम बर्फी • मलाई पेड़े • रसगुल्ले

MM MITHAIWALA
Malad (W) Tel. : 288 99 501

भारत के खिलाफ साजिशः पाकिस्तान हाई कमिशन के दो अफसर आईएसआई के लिए जासूसी करते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार

24 घंटे में देश छोड़ने के आदेश

नई दिल्ली। पाकिस्तानी दूतावास के दो अफसरों को रविवार को जासूसी करते रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया है। न्यूज एजेंसी ने यह जानकारी सूत्रों के हवाले से दी है। दोनों अफसर दूतावास में वीजा असिस्टेंट के तौर पर काम करते हैं। भारत इनके खिलाफ डिप्लोमैटिक प्रोटोकॉल के तहत पसोर्ना नॉन ग्राटा एक्शन लेगा। सामान्य तौर पर पसोर्ना नॉन ग्राटा का अर्थ होता है कि ऐसा व्यक्ति जो किसी राजनयिक मिशन पर है और संबंधित देश (जिसमें वो तैनात है) में उसकी गतिविधियां गलत पाई गई हैं। भारत अब इन दोनों को पाकिस्तान वापस भेजेगा।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

संपादकीय

बढ़ती लड़ाई

आज कोरोना संक्रमण के आंकडे. जितनी चिंता पैदा कर रहे हैं, उससे कहीं बड़ी चुनौती भी दर्शा रहे हैं। जो भारत दो महीने पहले कोरोना संक्रमण में दुनिया में चालीसवें स्थान पर भी नहीं था, वह नौवें स्थान पर पहुंच गया है, तो हमें न केवल पीछे, बल्कि आगे की ओर भी ज्यादा मुस्तैदी व चौकसी से देख लेना चाहिए। कहीं न कहीं कुछ कमी रह गई, जिसका आकलन हमारी निगाहों में आने से छूट गया। ऐसी कौन-सी रियायत, कौन-सी मजबूरी थी, जिसने हमें संक्रमण की ओर बढ़ाया? और अब तो यह सवाल सताने लगा है कि विशाल आबादी वाला भारत जब नौवें स्थान पर पहुंच गया है, तो कोरोना की यात्रा का समापन कहां होगा? अभी और कितने दुख लिखे हैं और अभी खुशी कितनी दूर है? एक दिन में रिकॉर्ड 7,466 मामलों का सामने आना हमें चौंका रहा है, तो हमें अपने आप से भी कुछ सवाल करने पड़ेंगे। क्या हम में से प्रत्येक की कोई न कोई जिम्मेदारी नहीं है? जो लोग सुरक्षित हैं, वे कब तक और किस हद तक सुरक्षित रह पाएंगे? आपदा के समय क्या ऐसे कटु सवाल स्वाभाविक नहीं हैं? ऐसे सवालों से हमें डरना कतई नहीं है, हमें तो जवाब खोजना है और समाधान में अपनी हिस्सेदारी निभानी है। कहीं न कहीं फिजिकल डिस्टेंसिंग से खिलवाड़ हो रहा है। यह बाजारों के खुलने के कारण हुआ है या यात्राओं को मिली मंजूरी के कारण, हमें देखना होगा कि संक्रमण को हम थामने में क्यों नाकाम हो रहे हैं। सार्वजनिक जगहों पर और ऐसी हर जगह पर पूरी कड़ाई बरतने की जरूरत है, जहां लोगों का परस्पर संपर्क हो रहा है। जहां लोग फिजिकल डिस्टेंसिंग के नियम-कायदों की अवहेलना कर रहे हैं? कौन लोग हैं, जो अभी भी फिजिकल डिस्टेंसिंग का महत्व नहीं समझ पाए हैं? हमसे ज्यादा आबादी वाला एकमात्र देश चीन अगर कोरोना को थामने में कामयाब रहा, तो इसका श्रेय सीधे उसके द्वारा बरती गई कड़ाई को जाता है। वुहान में इतनी कड़ाई बरती गई कि लोग, मरीज और डॉक्टर भी बिलखते हुए देखे गए, लेकिन आज उसी वुहान में लोगों की तपस्या का फल है, वे खुले घूम रहे हैं, वहां कहीं लॉकडाउन की जरूरत नहीं रही। संभव है, यह सवाल आने वाली पीढ़ियां पूछेंगी कि भारत में क्या लॉकडाउन को जनता कर्फ्यू बताकर उदारता बरती गई थी? आज यह उदारता अगर हमें लगभग 5,000 लोगों की मौत तक घसीट लाई है, तो यह कितने काम की है, इसे एक बार ईमानदारी से परख लेने में कोई हर्ज नहीं है। बार-बार सरकार अपील कर रही है। रेलवे ने फिर अपील की है कि बहुत जरूरी होने पर ही लोग यात्रा करें, क्या लोग मान लेंगे? तमाम भीड़ वाली जगहों पर पूरी कड़ाई की जरूरत बढ़ गई है। जहां संक्रमण को रोकने के लिए प्रशासन को सख्त रवैया अपनाना चाहिए, वहीं उसे जरूरतमंद लोगों के प्रति पूरी ममता भी बरतनी चाहिए। भूखे और भयभीत लोगों की भगदड़ से देश को बचाना प्रशासन का काम है। योजनाओं, पैकेज, अनाज और पैसे की कोई कमी नहीं, लेकिन उसे निचले स्तर पर लोगों तक पहुंचाकर ही हम समाज में सुरक्षा और स्थिरता बहाल कर पाएंगे।

हमारा हिंदुस्तान बहुत सुंदर हैं आप चाहें तो इसकी सुंदरता बढ़ाकर भेदभाव और नफरत फैलाने वालों को हरा सकते हैं

फईम अहमद राज सहारनपुर

कोरोना कोविड 19 की इस महामारी ने पूरी दुनिया को हिला कर रखा दिया है आज पुरी दुनिया एक अजीब सी महामारी से झूज रही है दुनिया का हर एक देश इस मुसीबत से लड रहा है वो भी बिना किसी हथियार के चारो तरफ हाहा कार मचा है दुनिया की ये पहली लडाई होगी जो बिना किसी हथियार के लडी जा रही है वेसे तो दुनिया ने इस से पहले भी कई महामारी देखी है दो दो विश्व युद्ध देखे है लेकिन महामारी से लडने के लिय पर्याप्त संसाधन थे दवाईया थी दो दो विश्व युद्ध मे लडने के लिय पर्याप्त मात्रा मे गोला बारूद हथियार थे मगर ये केसी आपादा है जिस से लडने के लिए सम्पूर्ण विश्व मे कोई साधन नही है ना कोई दवाई है ना ही कोई हथियार है.विश्व मे भारत भी इस विकराल आपादा से लड रहा है हमारे देश ने तीन तीन युद्ध लडे ओर जीते अनेको आपादाओ का सामना किया है और उनको भी सिकस्त दी है मुझे आशा है इस कोरोना को भी हम जल्दी मात देंगे कहते है ना हर काली रात के बाद सवेरा है हर मुसीबत के बाद राहत है उसके यहां देर है अंधेर नहीं, इंसान को हमेशा आशावादी होना चाहिए निराशा वादी नही आशा एक नई ऊर्जा को जन्म देती है निराशा तो मनोबल गिराती है , मे हमेशा कहता हूं जब सारी उम्मीदे खतम हो जाये रोशनी की कोई किरन बाकी ना जब भी कोई उम्मीद रहती है और जब भी कोई रोशनी किरण रहती है. आज हमारा देश कठीन दोर से गुजर रहा है देश को इस महामारी झकजोड कर रख दिया है लेकिन इस कठीन समय मे भी जिन वजहा हमारे देश की पहचान है देश के नागरिको ने उस को बरकार रखा है अनेकता मे एकता वाले इस देश मे लोगो ने एक दूसरे की बढ चढकर मदद की मुश्किल की इस घड़ी मे लोग एक दूसरे के दुखो मे साथ रहे ओर किसी को ये एहसास नही होने दिया विपत्ति मे कोई उनके साथ नही है देश की अलग अलग जगह से जो तस्वीरे आई वो सच मे ही काबिले तारीफ है।

आते जाते #राहगीरों को #फ्री में #जूते #चप्पल देने खुद एक #टांग पर खड़ा ये शख़्स #इलाहाबाद का #कमरूद्दीन है

यह इंसानियत से भरे लोग भी इतिहास में दर्ज होंगे,इनके जज्बे को देख कर आंखें नम हुई जाती हैं

यह कमरुद्दीन हैं,इलाहाबाद में इनकी जूतों की दुकान है.इस मुश्किल भरे दौर में जब गरीब मजदूर धूप में पैदल चल रहे हैं,किसी की चप्पलें घिस कर टूट गयी हैं,किसी के पैर में चप्पल ही नहीं हैं,ऐसे में इन्होंने अपनी दुकान की चप्पलें सड़क किनारे सजा दी हैं और बैनर लगा दिया है कि गरीब प्रवासी मजदूर भाई और जरूरतमंदों के लिए निःशुल्क ...

अब बताइये इस संवेदनशीलता, इस दरियादिली का कोई जवाब है

दरभंगा की शबाना को बच्चा होने वाला था. दुर्भाग्य से बच्चा खराब हो गया. उनकी जान संकट में आ गई. डॉक्टर ने कहा कि जान बचाने के लिए खून चाहिए. शौहर मोहम्मद अली ने कोशिश की, विधायक से लेकर परिचितों से मदद मांगी लेकिन खून देने वाला नहीं मिला. इस बारे में एक समाजसेवी टीम को जानकारी हुई. इस टीम के सदस्य रौशन कुमार खून दान के लिए निकल पड़े. रास्ते में लॉकडाउन में बौराई पुलिस ने डंडा भांज दिया. रौशन कुमार डंडा खाकर भी अस्पताल पहुंचे और शबाना की जान बचाई. मोहम्मद अली का संदेश है कि रौशन के लिए मेरे पास अल्फाज नहीं हैं, बस इतना समझिए कि हिंदू और मुसलमान दोनों के खून का रंग एक है. नूर मोहम्मद 60 बरस के हैं. शामली में रहते हैं. एक सप्ताह से बीमार थे. उन्हें एक नर्सिंगहोम में भर्ती कराया गया. डॉक्टर ने बताया कि नूर मोहम्मद को पीलिया है. जान बचाने के लिए 10 यूनिट ब्लड की जरूरत है.

लॉकडाउन के चलते लोग घरों में बंद हैं. इतना ब्लड आए कहां से. परिवार के हाथ पांव फूल गए. डॉक्टर के माध्यम से ब्लड बैंक चलाने वाले किन्हीं अजय संगल से संपर्क किया गया. कुछ ही घंटों में दस रक्तदाता पहुंच गए और ब्लड का प्रबंध हो गया. संयोग से दसों रक्तदाता हिंदू हैं. इनमें महिलाएं भी हैं और पुरुष भी. ब्लड बैंक संचालक का कहना है कि हमारा कुछ लोगों का समूह है. किसी की भी जान बचानी हो, हम हाजिर हो जाते हैं. इसके लिए जाति-धर्म नहीं देखा जाता.

तमिलनाडु के त्रिची में एक गर्भवती महिला को प्रसव के दौरान रक्त की जरूरत थी. उसका पति तालाबंदी में इधर उधर लोगों से मदद मांगता है. उसकी मुलाकात सिपाही सैय्यद अबु ताहिर से होती है. सिपाही उस व्यक्ति को टोकता है कि लॉकडाउन में कहां घूम रहे हो? व्यक्ति अपनी परेशानी बताता है. सिपाही अबु ताहिर का ब्लड ग्रुप प्रसवपीड़ा झेल रही महिला से मैच करता है. सिपाही अस्पताल पहुंचकर रक्तदान करता है और सद्यःप्रसूता मां और बच्चे को बचा लिया जाता है. सिपाही को एसपी और राज्य की पुलिस 11,000 रुपये देकर पुरस्कृत करती है. सिपाही यह इनाम का पैसा भी महिला को दे आता है कि उसे पैसे की जरूरत है. इस बारे में रवीश कुमार ने भी लिखा है. नोएडा के अमरजीत अस्पताल में भर्ती थे. उन्हें ओ नगेटिव ब्लड की जरूरत थी. उनके दोस्त एमएस खान खून ढूंढने निकले. बहुत भटकने पर उन्हें खून नहीं मिला तो उन्होंने पुलिस हेल्पलाइन पर फोन किया. पुलिस टीम के ही एक जवान का ब्लड ग्रुप ओ नगेटिव था. उसने तुरंत रक्तदान किया और अमरजीत की जान बच गई. गुजरात के वडोदरा में कोरोना से संक्रमित 44 ऐसे मरीज स्वस्थ हुए हैं जो मुस्लिम समुदाय से हैं. उनमें से 40 मुस्लिम अपने रक्त का प्लाज्मा दान करेंगे. इस प्लाज्मा से दूसरे मरीजों का इलाज होगा. 40 लोगों के प्लाज्मा से करीब 100 कोरोना मरीजों का इलाज हो सकेगा. कोरोना के इलाज के लिए ठीक हो चुके मरीजों के ब्लड से प्लाज्मा लेकर बाकी मरीजों का इलाज करने का प्रयोग चल रहा है. इसकी मदद से मरीजों की रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाया जाएगा. मुस्लिम समुदाय के नेता जुबेर गोपलानी ने ठीक हो चुके 44 मुस्लिम मरीजों से बात की और इनमें से 40 प्लाज्मा दान करने को तैयार हैं. तमिलनाडु में कोरोना से ठीक हो चुके दो जमातियों ने प्रशासन से कहा है कि वे अपना प्लाज्मा दान करना चाहते हैं. मोहम्मद जफर और मोहम्मद अब्बास ने स्थानीय प्रशासन को अपना नंबर दे दिया है. जल्द ही उनका प्लाज्मा कोरोना मरीजों के इलाज में इस्तेमाल होगा.

जिस तब्लीगी जमात की एक गलती पर देश भर में नफरत बांटी गई, उसी जमात के मौलाना साद ने मुसलमानों से प्लाज्मा दान करने की अपील की है, दूसरे कुछ धर्मगुरुओं ने ऐसी अपील की है, जिसके बाद कोरोना से ठीक हो चुके मुसलमान प्लाज्मा दान के लिए आगे आ रहे हैं. आप देखेंगे तो दिखेगा कि पूरे देश में बड़े पैमाने पर लोग तन, मन, धन से एक-दूसरे की मदद कर रहे हैं. जरूरत पड़ने पर शरीर से हाजिर हो रहे हैं, खून भी दे रहे हैं, पैसा, राशन और जरूरी सामान भी.हमारा हिंदुस्तान बहुत सुंदर है. आप चाहें तो इसकी सुंदरता बढ़ाकर भेदभाव और नफरत फैलाने वालों को हरा सकते हैं.

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

समाचार

मुंबई, सोमवार
1 जून, 2020

महाराष्ट्र में 3 जून से मिलेंगी रियायतें

अलग-अलग फेज में शुरू होंगे कामकाज

संवाददाता

मुंबई। लॉकडाउन 5.0 में कुछ रियायतों के साथ महाराष्ट्र सरकार ने कई गतिविधियों को इजाजत देने का फैसला किया है। इसे अलग-अलग कई फेज में शुरू करने की तैयारी है। पहला फेज 3 जून से होगा जिसमें घर से बाहर की गतिविधियों की अनुमति दी जाएगी। इसमें सुबह 5 बजे से शाम 7 बजे तक सार्वजनिक खुले जगहों जैसे समुद्री तट, प्लेग्राउंड्स और खुले मैदानों में साइकलिंग, जॉगिंग और रनिंग की इजाजत होगी। दिशा-निर्देश के मुताबिक, छूट के दौरान कोई ग्रुप एक्टिविटी नहीं होगी। बच्चे घर से अकेले नहीं निकलेंगे बल्कि उनके साथ कोई व्यस्क होगा। प्लंबर, इलेक्ट्रीशियन, पेस्ट कंट्रोल और टेक्निशियन सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करते हुए काम कर सकते हैं। उन्हें फेस मास्क और सैनिटाइजर का इस्तेमाल करना अनिवार्य होगा। पहले से अपॉइंटमेंट लेकर गैरेज में काम किए जा सकते हैं। सभी सरकारी दफ्तर 15 फीसदी लोगों के

साथ खुलेंगे। महाराष्ट्र में रियायत का दूसरा चरण 5 जून से होगा। मॉल्स और मार्केट कॉम्पलेक्स को छोड़कर सभी बाजार सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक खुलेंगे। दुकानों या शोरूम में ट्रायल रूम चलाने की अनुमति नहीं होगी। लोगों को सलाह दी गई है कि वे शॉपिंग के लिए पैदल या साइकिल से जाएं। गैर-जरूरी चीजों की खरीदारी के लिए लंबी दूरी तय करने पर पाबंदी है। जरूरी सेवाओं के लिए टैक्सी ऑटो रिक्शा की अनुमति दी गई है जिसमें ड्राइवर के अलावा 2 लोग सवारी कर सकते हैं। महाराष्ट्र में रियायतों का तीसरा फेज 8 जून से शुरू होगा। इसमें सभी प्राइवेट ऑफिस 10 फीसदी स्टाफ के साथ शुरू हो सकेंगे। इस फेज के दौरान स्कूल, कॉलेज, शिक्षण कोचिंग संस्थान, मेट्रो रेल, सिनेमा हॉल्स, जिम, स्वीमिंग पूल, थिएटर और ऑडिटोरियम पूरे राज्य में बंद रहेंगे। बड़े स्तर पर लोगों की जुटान, स्पा, सैलून, नाई की दुकान, होटल, रेस्टोरेंट भी बंद रहेंगे। कंटेनमेंट जोन में सरकार ने किसी प्रकार की छूट देने से इनकार कर दिया है।

मुंबई में कोविड-19 रोगियों के इलाज के लिए डॉक्टरों को मानदेय पर रखा जायेगा: देशमुख

मुंबई। महाराष्ट्र के चिकित्सा शिक्षा मंत्री अमित देशमुख ने रविवार को कहा कि मुंबई में कोविड-19 से संक्रमित मरीजों के उपचार के लिए डॉक्टरों और नर्सों को मानदेय के आधार पर काम पर रखा जाएगा। उन्होंने एक बयान में कहा कि यह सुनिश्चित करने के लिए यह निर्णय लिया गया है कि शहर में कोविड-19 रोगियों के उपचार के लिए चिकित्सा कर्मचारियों की कोई कमी नहीं है। देश में सभी शहरों में मुंबई में कोविड-19 के मामलों की संख्या अब तक सबसे अधिक है। शनिवार की रात तक रोगियों की संख्या 38,442 थी जबकि 1,227 मरीजों की मौत हुई थी। बयान के अनुसार 45 वर्ष से कम आयु के पंजीकृत चिकित्सक, जो किसी भी चिकित्सा बीमारी से पीड़ित नहीं हैं और अपनी 'इंटर्नशिप' पूरी कर चुके हैं, उन्हें रोगियों के उपचार के लिए जरूरत के अनुसार काम पर रखा जाएगा। बयान में कहा गया है, उन्हें 80 हजार रुपये प्रतिमाह दिये जायेंगे। चिकित्सकों के अलावा फिजिशियन को भी मानदेय के आधार पर काम पर रखा जाएगा। एनेस्थेटिस्ट को प्रति माह दो लाख रुपये का भुगतान किया जाएगा। नर्सों को प्रति माह 30,000 रुपये के मानदेय पर काम पर रखा जाएगा। उन्होंने कहा, मानदेय का भुगतान बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) द्वारा किया जाएगा। पात्र डॉक्टरों और नर्सों को इसके लिए ऑनलाइन आवेदन करना होगा।

महाराष्ट्र के दूरवर्ती इलाकों के स्कूलों को खोला जा सकता है: मुख्यमंत्री

मुंबई। महाराष्ट्र के दूरवर्ती इलाकों के ऐसे स्कूलों को सामाजिक दूरी के नियमों का पालन करते हुए खोला जा सकता है, जहां इंटरनेट कनेक्टिविटी नहीं है और जो कोरोना वायरस महामारी से अप्रभावित हैं। यह बात रविवार को मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने कही। मुख्यमंत्री ने कहा कि नया शैक्षणिक वर्ष जून में शुरू होना चाहिए जैसा सामान्य समय में होता है। उन्होंने राज्य में ऑनलाइन शिक्षा व्यवस्था को विकसित और मजबूत करने की जरूरत पर भी बल दिया। महाराष्ट्र कोरोना वायरस महामारी से बुरी तरह प्रभावित है जहां अभी तक संक्रमण के 65,168 मामले सामने आए हैं और 2197 लोगों की

मौत हो चुकी है। उन्होंने स्कूल शिक्षा विभाग के अधिकारियों और मंत्री वर्षा गायकवाड़ के साथ वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से हुई बैठक में कहा, दूरवर्ती इलाकों में जहां इंटरनेट की कनेक्टिविटी नहीं है और कोरोना वायरस नहीं फैला है, वहां सामाजिक दूरी के नियमों का पालन करते हुए स्कूलों को खोला जा सकता है। जिन स्थानों पर स्कूलों को खोलने में समस्या है, वहां ऑनलाइन शिक्षा के विकल्प का इस्तेमाल किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि यह जरूरी नहीं है कि स्कूलों को अभी शुरू किया जाए लेकिन विभाग को आने वाले समय में ऑनलाइन शिक्षा व्यवस्था का विकास कर उसे मजबूत करना चाहिए। ठाकरे ने कहा, कोरोना वायरस महामारी बच्चों की शिक्षा के मार्ग में बाधा नहीं होनी चाहिए। शैक्षणिक वर्ष (2020-2021) जून से शुरू होना चाहिए। महाराष्ट्र को देश के शेष हिस्से के लिए उदाहरण बनना चाहिए। उन्होंने कहा, शिक्षा आवश्यक है जिसे रूकने नहीं दिया जाना चाहिए।

(पृष्ठ 1 का शेष)

...कोरोना फैलने के लिए नमस्ते ट्रंप कार्यक्रम जिम्मेदार

राउत ने केंद्र सरकार की भी आलोचना करते हुए कहा कि लॉकडाउन बिना किसी योजना के लागू किया गया लेकिन अब इसे हटाने की जिम्मेदारी राज्यों पर छोड़ दी गई है। शिवसेना के नेता संजय राउत ने गुजरात, महाराष्ट्र और फिर दिल्ली में कोरोना वायरल फैलाने का जिम्मेदार अमेरिकी राष्ट्रपति के भारत दौरे को बताया है। उन्होंने रविवार को कहा कि फरवरी में अहमदाबाद में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के स्वागत में आयोजित कार्यक्रम दिल्ली-गुजरात और महाराष्ट्र में कोरोना फैलाने का जिम्मेदार है, जिसमें ट्रंप के शिष्टमंडल के कुछ सदस्यों ने हिस्सा लिया था। राउत ने केंद्र सरकार की भी आलोचना करते हुए कहा कि लॉकडाउन बिना किसी योजना के लागू किया गया लेकिन अब इसे हटाने की जिम्मेदारी राज्यों पर छोड़ दी गई है। शिवसेना सांसद ने कहा कि महाराष्ट्र सरकार को गिराने की बीजेपी की तमाम कोशिशों के बावजूद महाविकास अघाडी सरकार को कोई खतरा नहीं है क्योंकि इसका अस्तित्व कायम रखना शिवसेना, एनसीपी और कांग्रेस की मजबूरी है। शिवसेना के मुखपत्र 'सामना' में अपने साप्ताहिक स्तंभ में राउत ने कहा, 'इससे इनकार नहीं किया जा सकता कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के स्वागत में एकत्रित हुए जनसमूह के कारण गुजरात में कोरोना वायरस फैला। ट्रंप के साथ आए शिष्टमंडल के कुछ सदस्य मुंबई, दिल्ली भी गए थे जिसके कारण विषाणु फैला' ट्रंप और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 24 फरवरी को अहमदाबाद में एक रोडशो में हिस्सा लिया था जिसमें हजारों लोग शामिल हुए थे। रोडशो के बाद दोनों नेताओं ने मोटेरा क्रिकेट मैदान में एक लाख से अधिक लोगों को संबोधित किया था। गुजरात में कोरोना वायरस का पहला मामला 20 मार्च को सामने आया था जब राजकोट के एक व्यक्ति और सूरत की एक महिला में संक्रमण की पुष्टि हुई थी। राउत ने कहा कि उद्धव ठाकरे नीत महा विकास अघाडी सरकार को गिराने और कोरोना वायरस महामारी की रोकथाम में विफल रहने का आरोप लगाकर राज्य में राष्ट्रपति शासन लागू करने का कोई भी प्रयास आत्मघाती सिद्ध होगा। उन्होंने कहा, 'राज्य ने देखा है कि कैसे मनमानी से छह महीने पहले राष्ट्रपति शासन लागू किया गया था और हटा लिया गया था।' राउत ने कहा, यदि राष्ट्रपति शासन लगाने के लिए कोरोना वायरस मामलों से निपटने में विफलता को आधार बनाया जा रहा है तो कम से कम 17 अन्य राज्यों में भी यही किया जाना चाहिए जिनमें बीजेपी शासित राज्य भी शामिल हैं। महामारी को रोकने में केंद्र सरकार भी विफल रही है क्योंकि उसके पास कोई योजना नहीं थी' उन्होंने कहा, लॉकडाउन बिना किसी योजना के लागू किया गया और अब बिना किसी योजना के इसे हटाने की जिम्मेदारी राज्यों पर छोड़ दी गई है। इस अनिश्चितता से संकट और बढ़ेगा। राउत ने कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने लॉकडाउन के विफल होने का सटीक विश्लेषण किया था। उन्होंने कहा, यह आश्चर्यजनक है कि कोरोना वायरस मामलों में वृद्धि के लिए राष्ट्रपति शासन लगाने की मांग कर लोग राजनीति चमका रहे हैं।

भारत के खिलाफ साजिश...

खबर के मुताबिक, दोनों अफसरों को दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने गिरफ्तार किया। इनके नाम आबिद हुसैन और ताहिर खान हैं। दोनों ही आईएसआई के लिए काम करते थे। दोनों घूमने के लिए जाली पहचान पत्रों का इस्तेमाल भी करते थे। अफसरों की गिरफ्तारी के बाद भारतीय विदेश मंत्रालय ने कहा, ह्यपाकिस्तान हाईकमीशन के दो अफसरों को नई दिल्ली में जासूसी करते पकड़ा गया है। भारत की जांच एजेंसियों ने यह कार्रवाई की है। सरकार ने इन्हें पसोर्ना नॉन ग्राटा घोषित करते हुए 24 घंटे में देश छोड़ने को कहा है। पाकिस्तान को एक डिमार्शे (कूटनीतिक मांग पत्र) भी सौंपा गया है। इसमें उसके अफसरों द्वारा भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा के खिलाफ किए जा रहे कामों पर सख्त विरोध दर्ज कराया गया है। पाकिस्तान से कहा गया है कि वो यह तय करे कि उसके अफसर राजनयिक नियमों के तहत जिम्मेदारी का परिचय दें। अक्टूबर 2016 में सपा के पूर्व सांसद मुनव्वर सलीम के पीए मोहम्मद फरहत को गिरफ्तार किया गया था। उस पर पाकिस्तान उच्चायोग के इशारे पर जासूसी का आरोप था। इस मामले में कई और लोगों को भी गिरफ्तार किया गया था। उच्चायोग का एक अफसर महमूद अख्तर इन लोगों को जासूसी के बदले पैसा देता था। आरोपियों के पास से गोपनीय दस्तावेज बरामद हुए थे। भारत ने सख्त कार्रवाई करते हुए अख्तर को उसके देश वापस भेज दिया था।

अरब सागर के ऊपर तूफान का अलर्ट

3 जून तक गुजरात-महाराष्ट्र में देगा दस्तक !

नई दिल्ली। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने अरब सागर के लिए दोहरे दबाव का अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग के मुताबिक अरब सागर के ऊपर एक निम्न दबाव का क्षेत्र बनेगा। जो 3 जून तक गुजरात और उत्तर महाराष्ट्र के तटों की ओर बढ़ेगा। आईएमडी के अनुसार अरब सागर के ऊपर दो तूफान बन रहे हैं, जिसमें से एक अफ्रीकी तट से लगे समुद्र क्षेत्र के ऊपर है, वो ओमान और यमन की ओर बढ़ सकता है, जबकि दूसरा भारत के करीब है। इसके अगले 12 घंटों में और अधिक गहरे डिप्रेशन में बदलने की संभावना है। मौसम विभाग ने कहा कि दक्षिण पूर्व-पूर्व मध्य अरब सागर के ऊपर अगले 24 घंटों के दौरान एक निम्न दबाव का क्षेत्र बनेगा। जो तीव्र होकर डिप्रेशन में बदलेगा। इसके बाद

और तीव्र होने की संभावना है। जो तीन जून तक गुजरात और उत्तर महाराष्ट्र तटों की ओर उत्तर-पश्चिमोत्तर की तरफ बढ़ेगा। वहीं मौसम विभाग ने कहा कि अरब सागर के ऊपर संभावित निम्न दबाव के क्षेत्र के प्रभाव के कारण स्थितियां एक जून से केरल के ऊपर मॉनसून की शुरूआत के लिए अनुकूल होंगी। आईएमडी के अनुसार अगले 48 घंटों के दौरान दक्षिण अरब सागर, मालदीव कोमोरिन क्षेत्र, दक्षिण-पश्चिम, दक्षिण-पूर्व खाड़ी के कुछ और हिस्सों में दक्षिण-पश्चिम मॉनसून के आगे बढ़ने के लिए परिस्थितियां अनुकूल होती जा रही हैं। आईएमडी के महानिदेशक मृत्युंजय महापात्रा ने कहा है कि केरल में मॉनसून की शुरूआत अभी नहीं हुई है। हालांकि, 1 जून को केरल में मॉनसून की शुरूआत होने की संभावना है।

तेज हवा और बारिश की संभावना: मौसम पूर्वानुमान के मुताबिक दक्षिण-पूर्वी और उससे सटे मध्य-पूर्वी अरब सागर पर निम्न दबाव का क्षेत्र बनने की उम्मीद है। जो अगले 48 घंटों में डिप्रेशन बन सकता है। इसकी वजह से दक्षिण-मध्य गुजरात एवं सौराष्ट्र में तेज हवाओं के साथ भारी बारिश की संभावना है। माना जा रहा है कि जब ये तूफान तट से टकराएगा तो उस वक्त हवा की गति 120 किमी/ घंटा हो सकती है।

मछुआरों को समंदर किनारे ना जाने की सलाह: तूफान की आशंका के चलते मछुआरों को समंदर किनारे न जाने की सलाह दी गई है। हालांकि, मौसम विभाग के मुताबिक इस तूफान का केंद्र ओमान के पास है, लेकिन इसका असर महाराष्ट्र और गुजरात के तटीय इलाकों होने की संभावना है। बता दें कि अरब सागर में तूफान की जानकारी ऐसे समय में सामने आई है, जब हाल ही में बंगाल की खाड़ी से उठे चक्रवाती तूफान अम्फान के कारण बंगाल के चार जिलों में भारी तबाही हुई। बंगाल की खाड़ी से उठे तूफान में 86 लोगों की मौत हो गई थी और लाखों लोग बेघर हो गए थे।

सहारनपुर के खान मार्केट की पिछली गली में एक मेडिकल स्वामी निकला कोरोना पॉजटिव

कोरोना पॉजटिव मरीज नही मिला दुकान पर, दुकान पर काम करने वालों को क्वारन्टीन किया गया

संवाददाता

सहारनपुर। सहारनपुर के प्रताप मार्केट स्थित खान मार्केट की पिछली गली में कुछ दिनों पूर्व कोरोना को लेकर कुछ मेडिकल कारोबारियों ने अपने अपने कोरोना टेस्ट कराये थे,एक को छोड़कर सभी मेडिकल कारोबारियों की रिपोर्ट नेगेटिव आई थी। जिस मेडिकल कारोबारी की रिपोर्ट पॉजटिव आई। आज स्वास्थ्य विभाग की टीम जब उसे क्वारन्टीन करने हेतु उसकी दुकान पर गयी,तो उक्त मेडिकल कारोबारी वहां नही मिला, स्वास्थ्य विभाग की टीम दुकान पर काम करने वाले अन्य लोगों को कोरोना जांच हेतु, अपने साथ ले गयी। मार्किट को सेनेटाइज करने के बाद सील कर दिया है। मेडिकल कारोबारी के परिवार को एहतियात के तौर पर क्वारन्टीन किया जा सकता है। उन-उन लोगों की भी कोरोना जांच की जा सकती है, जो लोग इस मेडिकल कारोबारी के सम्पर्क में आये। हम आपको यह भी बता दें कि, उक्त मेडिकल कारोबारी आज किसी जरूरी काम से देहरादून गया हुआ है।

केंद्र व राज्य की भाजपा सरकार से त्रस्त होकर सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने थामा कांग्रेस का दामन

हरिद्वार। उत्तराखंड प्रदेश किसान कांग्रेस कमेटी के महामंत्री अमन कुमार के नेतृत्व में आज सैकड़ों भाजपा कार्यकर्ताओ ने कांग्रेस का दामन थाम कर घर वापसी कर ली ग्राम हेतमपुर स्थित अपने कैंप कार्यालय पर नवनियुक्त कार्यकर्ताओं को पार्टी की सदस्यता ग्रहण कराते हुए प्रदेश किसान कांग्रेस कमेटी के प्रदेश महामंत्री अमन कुमार ने कार्यकर्ताओं को सम्बोधित करते हुए कहा है आज देश की जनता केन्द्र व राज्य की भाजपा सरकार से त्रस्त हो गई है आज देश अराजकता का महोल केन्द्र व राज्य की भाजपा सरकार हर क्षेत्र मे विफल साबित हो गई है। भाजपा सरकार की गलत नितियो से देश बहुत पिछे चला गया है

भाजपा की करनी ओर कथनी मे अन्तर है भाजपा ने कोई भी कार्य ऐसा नही किया जिस से आम जन मानस का भला हुआ हो कांग्रेस ने हमेशा लोगो की भलाई के लिए कार्य किया है जितना विकास कांग्रेस की सरकारो मे हुआ है। उतना विकास कार्य किसी सरकार मे नही हुआ है भाजपा ने हमेशा फूट डालकर राजनिती कि है जनता अब इनकी गलत नितियो से ऊब चुकी है यही कारण आज सेकडो लोग इनकी गलत नितियो त्रस्त होकर कांग्रेस का दामन थाम घर वापसी कर रहे हैं में पार्टी में आए सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं का सम्मान करता हूं और स्वागत करता हूं आप को विशवास दिलाता हूँ कोंग्रेस पार्टी मे आपके मान सम्मान का पूरा ख्याल रखा जायेगा नव नियुक्त सदस्यता ग्रहण करने वालों में विवेक यादव को प्रदेश किसान कांग्रेस कमेटी रानी पुर विधान सभा का उपाध्यक्ष उपेंद्र कुमार को महासचिव बृज पाल को उपाध्यक्ष अशोक सक्सेना को उपाध्यक्ष अजय राठौर को महासचिव सुशील मौर्य और राजीव धीमान को महासचिव कमलेश धीमान और दुर्गा सक्सेना को सचिव पद पर नियुक्ति की गई है। जल्दी ही प्रेस कॉन्फ्रेंस करके सभी के नियुक्ति प्रमाण पत्र सौंप दिए जाएंगे।

बारिश से पहले मिली बाईपास रोड बनाने की मांग

संवाददाता

टाण्डा (रामपुर)। नगर के बीचो बीच से होकर गुजरने वाली नहर जालपुर माईनर जो एक प्रदेश से दूसरे प्रदेश उत्तराखंड को जोड़ती हैं। कच्चा रास्ता एवं ऊबड़ खाबड़ होने के साथ साथ सैकड़ों गाँव जुड़े हैं इस मार्ग से बरसात के दिनों में कृषकों, छात्र छात्राओं, व बीमार व्यक्तियों को अपने अपने गंतव्य तक पहुचनें में अनेकों प्रकार की कठीनाइयों का सामना करना पड़ता है बरसात के समय में रास्ता खराब होने की दशा मे बंद होकर रह जाता हैं मार्ग को मिनी

वायपास का रूप देकर तथा डामरी करण कर सिचाई मंत्री बल्देव सिंह ओलाब व प्रदेश के मुखिया मुख्य मंत्री को काशीपुर उत्तराखंड को जोड़े जाने के इरादे से भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के ब्लाक अध्यक्ष नदीम अख्तर द्वारा लगातार मांग की जाती रही हैं काशीपुर उत्तराखंड का मिनीबाईपास का निर्माण होने से क्षेत्र वासियों को बरसात आदि के मोसम में होने वाली कठीनाइयों से बचाया जा सकेगा क्षेत्र वासियों की परेशानियों को देखते हुए मिनीबाईपास डामरी करण रोड बनवाये जाने की मांग की गई हैं।

कृषि उत्पादन मण्डी स्थल में हैंड पम्पों पर छाई काफी गंदगी

संवाददाता

टाण्डा (रामपुर)। कृषि उत्पादन मण्डी स्थल में सफाई वयवस्था धड़ाम, जगह जगह कूड़ों के ढेर, हैंड पम्पों पर गंदगी की भरमार डी. डी.ए कैलाश भार्गव उपनिदेशक प्रशासन मण्डी परिषद मुरादाबाद के मोखिक आदेशों की निरीक्षण के दोरान उड़ाई जा रही हैं धज्जियां, मण्डी सचिव बैठे हैं मौन?

नगरीय मण्डी सचिव कृषि उत्पादन समिति मण्डी स्थल डी. डी.ए उपनिदेशक प्रशासन मण्डी परिषद मुरादाबाद के द्वारा दो सप्ताह सफाई वयवस्था आदि मण्डी के रख रखाव को लेकर निरीक्षण किया गया था जिसमें मोखिक आदेशों के चलते मण्डी की सफाई वयवस्था, हैण्ड पम्प, की देख रेख आदि को मण्डी सचिव को सही रख रखाव को लेकर कहा गया जिसमें आज तक किसी भी प्रकार कोई पालन न कर मोखिक आदेशों धज्जियाँ उड़ाई जा रही हैं हैंड पम्पों पर काफी गंदगी छाई हुई है जिसपर कोई विशेष रूप से ध्यान नही दिया जा रहा है मण्डी के चारों तरफ गंदगी आदि की भरमार है जबकि लॉकडाउन के चलते सफाई वयवस्था चुस्त दुरुस्त होनी चाहिए ठेकेदार की सांठ गाँठ के चलते विशेष तरीके इस और कोई ध्यान न देकर बीमारी आदि को भी बड़ावा दिया जा रहा है ऐसी स्थिति में गम्भीर बीमारी फैलने का भय बना हुआ है। शीर्ष स्थिति से अवगत कराते जांच कर कार्रवाई किये जाने की मांग की गई हैं। हैंड पम्पों पर गन्दगी के चलते लोग पानी पीने के लिए मजबूर हैं।

दिल्ली से नोएडा-गाजियाबाद जाने में आज से नहीं मिलेगी छूट, जारी रहेगी पाबंदी

संवाददाता

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश के गौतमबुद्ध नगर हेल्थ डिपार्टमेंट ने रविवार को एक रिपोर्ट सौंपी है जिसमें कहा गया कि गौतमबुद्ध नगर में पिछले 20 दिनों में सभी कोविड पॉजिटिव मामलों में संक्रमण के 42 प्रतिशत मामले का सोर्स दिल्ली है। यानी कुल संक्रमण का 42 फीसदी मामला दिल्ली से जुड़ा हुआ है। इसे देखते हुए नोएडा प्रशासन ने तय किया है कि नोएडा-दिल्ली बॉर्डर की स्थिति जैसे पहले थी, उसी तरह बनी रहेगी। इसी के साथ गाजियाबाद जिला प्रशासन की ओर से कहा गया है कि

दिल्ली-गाजियाबाद के बीच आवागमन पूर्व की भाँति ही नियंत्रित रहेगा। इसके अतिरिक्त यदि किसी सोसायटी में कोई केस पॉजिटिव पाया जाता है तो संबंधित टावर ही सील किया जाएगा। नोएडा और गाजियाबाद में कल से दफ्तर खुल रहे हैं। इसे देखते हुए जगह-जगह जाम लगने की आशंका काफी ज्यादा रहेगी।

गाजियाबाद प्रशासन की ओर से कहा गया है कि एक सोसायटी में एक से अधिक टावरों में कोरोना पॉजिटिव केस पाए जाते हैं तो ऐसी स्थिति में संबंधित टावर तो सील होंगे ही साथ ही सार्वजनिक प्रयोग के स्थानों जैसे कि पार्क, जिम, स्वीमिंग पूल, बैंक्वेट हॉल आदि को भी कंटेनमेंट जोन में शामिल करते हुए तत्काल प्रभाव से बंद कर दिया जाएगा। यह कदम इसलिए उठाया जाएगा ताकि अधिक लोगों तक कोरोना का संक्रमण न फैल सके।

यूपी सरकार की गाइडलाइन

उत्तर प्रदेश सरकार ने अनलॉक-1 की एडवाइजरी जारी कर दी है। इस एडवाइजरी के तहत अब उत्तर प्रदेश में 30 जून तक लॉकडाउन को बढ़ा दिया गया है। वहीं अनलॉक-1 के पहले फेज में आठ जून से सभी पूजा और धार्मिक स्थल, रेस्टोरेंट्स, होटल और मॉल को खोलने की इजाजत दी गई है। उत्तर प्रदेश में अब बाजार सुबह 9 बजे से रात 9 बजे तक खुलेंगे। इसके साथ ही सैलून और ब्यूटी पॉर्लर भी खोले जा सकेंगे। वहीं धार्मिक स्थल, रेस्टोरेंट्स, होटल और मॉल को खोलने की इजाजत दी गई है। हालांकि खोलने के तौर-तरीकों पर विस्तृत मानक और तौर तरीके के लिए अलग से एडवाइजरी जारी होगी। नई गाइडलाइन में सभी सरकारी कार्यालयों के लिए आदेश है कि अब 100 प्रतिशत अटेंडेंस होंगी, लेकिन तीन पालियों में कार्यालय खुलेंगे। पहली पाली सुबह 9 से 5 बजे की होगी, दूसरी पाली 10 से 6 बजे की होगी, तीसरी पाली 11 से 7 बजे की होगी। वहीं गाजियाबाद-नोएडा बॉर्डर खोलने का फैसला जिलों के डीएम लेंगे।

पंकजा मुंडे की समर्थकों से अपील, घर पर रहकर ही मनाएं गोपीनाथ मुंडे की पुण्यतिथि

संवाददाता

मुंबई। भाजपा नेता और महाराष्ट्र की पूर्व मंत्री पंकजा मुंडे ने अपने समर्थकों से अपील की है कि वे उनके पिता तथा भाजपा के दिग्गज नेता रहे गोपीनाथ मुंडे की छठी पुण्यतिथि घरों में रहकर ही मनाएं। पंकजा ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर जारी बयान में समर्थकों से लैंगिक समानता दर्शाने के लिए अपने घरों के भीतर दो दीपक जलाने और दिवंगत नेता गोपनीथ मुंडे की याद में उनका पसंदीदा व्यंजन बनाने के लिये कहा। उन्होंने समर्थकों से कोरोना वायरस महामारी के मद्देनजर जरूरतमंद लोगों की मदद करने की भी अपील की।

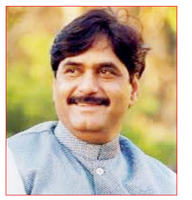

उन्होंने कहा कि बीड़ जिले में मुंडे के स्मारक गोपीनाथगढ़ पर तीन जून को आयोजित कार्यक्रम का उनके सोशल मीडिया अकाउंट पर सीधा प्रसारण किया जाएगा। इस बीच, पंकजा मुंडे ने कहा कि उन्होंने राज्य विधान परिषद में खुद को उम्मीदवार के तौर पर पेश नहीं करने की भाजपा की सिफारिश को स्वीकार कर लिया था। पंकजा से जब भाजपा और राज्य की शिवसेना नीत सरकार के बीच जारी राजनीतिक तनातनी के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि वह अभी राजनीति में सक्रिय नहीं हैं और फिलहाल समाज सेवा पर ध्यान केन्द्रित कर रही हैं।

ताज महोत्सव का शहर आगरा में ताजमहल के अलावा ये 8 जगह घूमना न भूलें

ताज महोत्सव 18 फरवरी से शुरू होने वाला है। ऐसे में हर कोई ताजमहल का दीदार करना चाहता है। सालाना होने वाले इस ताज महोत्सव को देखने के लिए कई लोगों ने काफी समय पहले से प्लानिंग करनी शुरू कर दी है। अगर आपका प्लान भी ताज महोत्सव में घूमने का है, तो आगरा शहर में ताजमहल के अलावा भी ऐसी कई जगहे हैं, जहां पर आप घूम सकते हैं।

आगरा किला

आगरे का किला शुरूआत में ईंटों से बना था, जिसे राजपूतों ने बनवाया था। बाद में अकबर ने इस किले को नए सिरे से बनवाया और अपनी राजधानी यहीं बसाई। आगरा के किले में कई दर्शनीय भवन है। यहां हर शाम लाइट शो का आयोजन भी होता है।

एत्माद-उद-दौला

यमुना नदी के किनारे इसे नूर जहां ने बनवाया था। नूरजहां-जहांगीर के मुख्यमंत्री यानी वजीर

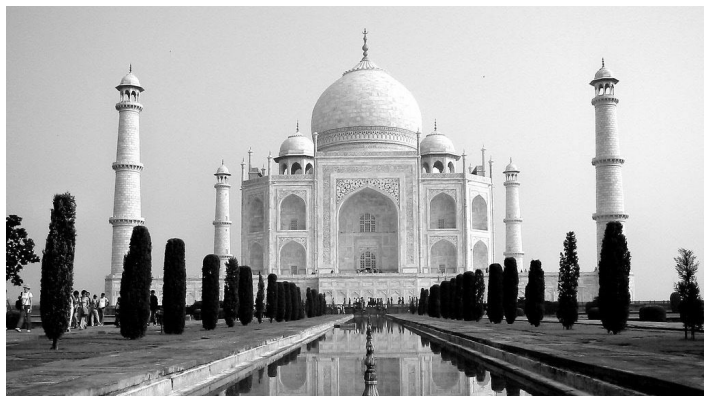

रहे मिर्जा ग़ास बेग की याद में ये बना है, जिन्हें एत्माद-उद-दौलाकी उपाधि मिली थी। ये सफेद संगमरमर से बना है, पर बनाने के दौरान लालू बालू का भी जमकर उपयोग किया गया है। इतिहासकारों का मानना है कि ताजमहल इस भवन से प्रेरित होकर बना है। इसे मिनी ताजमहल भी करते हैं।

सिकंदरा

मुगल बादशाह अकबर का मकबरा यही है, जो 1605-1613 के बीच बनाया गया था। ये मकबरा 119 एकड़ में फैला है। बादशाह अकबर ने अपने जीते जी इस मकबरे को बनाने का आदेश जारी किया था, जिसे उसके बेटे जहांगीर ने पूरा करवाया। ये आगरा के मशहूर पर्यटक स्थलों में से एक है।

राम बाग

सबसे पुराने मुगल गार्डन का नाम राम बाग है, जिसे मुगल बादशाह बाबर ने 1528 में बनवाया था। इससे 5 किमी दूरी पर बाद में ताजमहल बना। रामबाग का निर्माण फारसी शैली में हुआ है। इसे आराम बाग नाम दिया गया था।

दयाल बाग

दयालबाग की स्थापना राधास्वामी सत्संग के पांचवे संत आनन्द स्व रूप साहब ने की थी। दयालबाग की स्थापना भी बसन्त पंचमी के दिन 20 जनवरी 1915 को शहतूत का पौधा लगा कर की गई थी। दयालबाग राधास्वामी सत्संग का हेडक्वॉटर है। सन 1908 ईस्वी में इसका निर्माण आरम्भ हुआ था और कहते हैं कि यह कभी समाप्त नहीं होगा। इसमें भी सफेद संगमरमर का प्रयोग हुआ है।

चीनी का रौजा

ये मकबरा मुगल बादशाह शाहजहां ने अपने वजीर अफजल खान की याद में इसे बनवाया था। ये मकबरा भारतीय-फारसी स्थापत्य कला का शानदार उदाहरण है।

फतेहपुर सीकरी

रेत का समंदर बन चुका फतेहपुर सीकरी कभी मुगल साम्राज्य की राजधानी रहा। इसे 16वीं शताब्दी में अकबर ने बसाया था। महज 15 सालों बाद ही पानी की कमी की वजह से मुगल साम्राज्य को अपनी राजधानी आगरा में फिर से स्थापित करना पड़ा था।

मेहताब बाग

ताज को देखने के लिए मेहताब बाग से सुंदर कोई जगह नहीं हो सकती। यमुना नदी के किनारे 25 एकड़ में बने मेहताब बाग से ताज की खूबसूरती देखते ही बनती है। इसे 'मूनलाइट गार्डन' के नाम से भी जाना जाता है।

मुंबई हलचल राशिफल
-आचार्य परमानंद शास्त्री

मेषः घर-बाहर पूछ-परख रहेगी। योजना फलीभूत होगी। कार्यस्थल पर परिवर्तन संभव है। व्यवसाय ठीक चलेगा।

वृषः राजकीय सहयोग प्राप्त होगा। तंत्र-मंत्र में रुचि रहेगी। यात्रा सफल रहेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रमाद न करें।

मिथुनः चोट व रोग से बचें। जल्दबाजी से हानि संभव है। कुसंगति से हानि होगी। विरोधी सक्रिय रहेंगे, धैर्य रखें।

कर्कः राजकीय बाधा दूर होकर लाभ की स्थिति बनेगी। धनार्जन होगा। वैवाहिक प्रस्ताव मिल सकता है, लाभ होगा।

सिंहः उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। संपत्ति के बड़े सौदे बड़ा लाभ दे सकते हैं। रोजगार मिलेगा, चिंता रहेगी।

कन्याः किसी आनंदोत्सव में हिस्सा लेने का अवसर मिलेगा। बौद्धिक कार्य सफल रहेंगे। धनलाभ होगा। जोखिम न लें।

तुलाः बुरी खबर मिलने से तनाव रह सकता है। चोट व रोग से बचें। मेहनत का फल कम मिलेगा। विवाद न करें।

वृश्चिकः घर-बाहर पूछ-परख रहेगी। मेहनत रंग लाएगी। कार्यसिद्धि होगी। प्रसन्नता रहेगी। शारीरिक कष्ट संभव है।

धनुः प्रतिष्ठित व्यक्तियों का सहयोग मिलेगा। अच्छी खबर मिलेगी। प्रसन्नता रहेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा।

मकरःभेंट व उपहार की प्राप्ति होगी। भाग्योन्नति के प्रयास सफल रहेंगे। नौकरी, यात्रा व निवेश मनोनुकूल लाभ देंगे।

कुंभः जोखिम व जमानत के कार्य टालें। खर्च पर नियंत्रण नहीं रहेगा। अपेक्षित कार्य रुकेंगे। चोट व रोग से हानि संभव है।

मीनः डूबी हुई रकम प्राप्त हो सकती है। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रसन्नता रहेगी।

एडवेंचर के शौकीनों के लिए जन्नत से कम नहीं रॉकी आउटक्रॉप्स, कपल साथ लेते हैं स्पोर्ट्स का मजा

हम में से बहुत से लोग ऐसे हैं, जो घूमने-फिरने से ज्यादा एडवेंचर स्पोर्ट्स के शौकीन होते हैं। उन्हें एडवेंचर स्पोर्ट्स का इतना शौक होता है कि वो अपने इस जुनून के लिए कहीं भी जा सकते हैं। आज हम आपको ऐसी जगह के बारे में बताने जा रहे हैं, जहां लोग खासतौर पर एडवेंचर स्पोर्ट्स का मजा लेने आते हैं। इस जगह का नाम है रॉकी आउटक्रॉप्स।

35 से 800 फीट की टॉवर है मौजूद

'रॉकी आउटक्रॉप्स' के अलावा 'उताह' के 'मॉब डेजर्ट' और 'फिशर्स टावर प्लेग्राउंड' फेमस एडवेंचर्स प्लेस हैं। रॉकी आउटक्रॉप्स दुनिया का सबसे बड़ा एडवेंचर प्ले-ग्राउंड है, जहा एडवेंचर पसंद करने वाले लोग, ऊंची चोटियों से छलांग लगाते हैं और कई फीट लम्बी रस्सी पर बिना सहारे के चलते नजर आते हैं। यहाँ 35 फीट से 800 फीट तक ऊंची टावर्स मौजूद हैं, जिन पर चढ़कर हवा में छलांग लगाना अपने आप में साहस का काम है। 'इको'

और 'कॉटनटेल' यहां के दो खतरनाक टावर्स हैं, जिन पर पर चढ़ने में कम से कम 5 दिन लगते हैं और 2 दिन हाई लाइन बनाने में जिस पर चढ़कर स्टंट की प्रैक्टिस की जाती है।

250 फीट ऊंचे हैं टावर्स

इस प्लेग्राउंड में 5 ऊंची और मेन टावर्स हैं , बहुत काम लोग इन सब टावर्स से छलांग लगाते हैं, मुश्किल से 3 लोग ही ऐसे होंगे जो इनसे लगातार कूदने का साहस दिखा पाये हैं। यहां का सबसे पॉपुलर टावर 'एनसीएंट आर्ट' है जो 250 फीट ऊंचा है यह चोटी केवल 2 फीट चौड़ा है।

इन टावर्स के बीच में स्लैक्लिनिंग भी की जाती है, जिसके लिए एक विशेष प्रकार की रस्सी को 3 अलग-अलग दिशाओं में कसा जाता है, जिस पर 3 लोग एक साथ, एक ही समय में स्लैक्लिनिंग कर सकते हैं।

साहसी युवाओं की लिए शायद ही कोई इससे अच्छा रोमांचकारी प्लेग्राउंड हो जहां वो दिल खोलकर जोखिमभरे कारनामे कर इनका लुफ्त उठाते हैं।

जब एक बंदर ने बंगलुरु के बार में की मस्ती

बेंगलुरु में शराब के नशे में डूबे एक बंदर ने बार में जमकर मस्ती की और यहां से वहां उछलकूद करता रहा। हांलाकि उसकी शरारतों से परेशान कुछ ग्राहक अपने घर वापस चले गए। इसके बावजूद कुछ लोगों को बंदर की धमाचौकड़ी में काफी मजा आया और उन्होंने इसका वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर अपलोड कर दिया। सोशल मीडिया पर बन्दर की क्यूट शैतानियों का यह वीडियो खूब वायरल हो रहा है। पता चला है कि ये बेंगलुरु में बांसवाड़ी के कम्मनहल्ली स्थित दिवाकर बार और रेस्त्रां है जहां बन्दर ने जम कर शैतानी की है। स्थानीय लोगों ने बताया कि रेस्त्रां में बचे हुए भोजन के लालच में रोज आने वाले इस बंदर को कभी कभी खाने के साथ गिलासों में बची हुई शराब पीने का मौका भी मिल जाता था। इसी वजह से ये बन्दर शराब पीने का शौकीन हो चुका था। मुमकिन है घटना की रात में बंदर को जरूरत से ज्यादा पीने का मौका मिल गया हो। इसके बाद उसकी मस्ती शुरू हो गई और वो शरारत करने लगा। हालाकि अभी तक इस बात का पता नहीं चल पाया है कि बन्दर ने खुद ही शराब ढूंढ ली थी या किसी ने जानबूझ कर उसे पिला दी थी।

झारखंड के शख्स ने 24 दिन में 600 किलोमीटर साइकिल चला कर खोजा प्यार

वैलेंटाइन डे पर झारखंड का एक युवक मनोहर नायक काफी चर्चा में रहा। हो भी क्यों न आखिर उसने अपने प्यार को पाने के लिए 24 दिन में 600 किलोमीटर की साइकिल जो चलाई है। दरसल झारखंड के मुसाबनी निवासी मनोहर उड़ीसा में मजदूरी करते हैं। बीते माह उनकी पत्नी अनीता मकर संक्रांति के दिन अपने मायके जाने के लिए निकली थी, पर वह न मायके पहुंची और न वापस घर आई। मनोहर पत्नी को लेकर काफी परेशान हो गया। उसने सभी रिश्तेदारियों में पत्नी को तलाश करने के बाद पुलिस को भी सूचना दी थी।

टूटी साइकिल ठीक कराकर शुरू की तलाश

इसके बावजूद मनोहर इस मामले में पुलिस के ही सहारे नहीं बैठा। उसने खुद से पत्नी की अनीता को ढूंढने का निश्चय किया। इसके बाद उसने अपनी पुरानी टूटी साइकिल को ठीक कराया और पत्नी की तलाश में गांव-गांव घूमने लगा। इस दौरान उसने करीब 50 से 55 गांवों की यात्रा की। हर जगह

पागलों की तरह पत्नी अनीता की फोटो दिखाता और लोगों से उसके बारे में पूछता।

खबर मिलने पर निकल पड़े आंसू

इस बीच उसने स्थानीय अखबारों में भी इसकी सूचना और फोटो दी। ऐसे में कुछ लोगों ने कोलकाता के खड़गपुर में इसकी पत्नी को देखा तो पुलिस को सूचना दी। खड़गपुर पुलिस ने मुसाबनी पुलिस को इसकी सूचना देने के साथ अनीता की फोटो भेजी। इसके बाद मुसाबनी पुलिस ने मनोहर को बुलाकर वह फोटो दिखाई तो वह पत्नी को पहचान गया और देखते ही रोने लगा।

पूरी हुई तलाश

इसके बाद पुलिस ने मनोहर को कहा कि वह बिना देर किए 10 फरवरी को जमशेदपुर पहुंच जाएं। मनोहर गया और पत्नी अनीता के साथ 11 फरवरी को अपने घर लौट आया है। सूत्रों की मानें तो अनीता दिमागी रूप से थोड़ी विक्षिप्त है लेकिन मनोहर उसे बहुत प्यार करता है। उसके लापता होने पर उसने खाना-पीना तक छोड़ दिया था। अब वो बेहद खुश हैं और भले ही उन्हें इसका मतलब नहीं पता हो पर उनका हर दिन वैलेंटाइन डे है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

सेहत के गुणों से भरपूर है Wheat Grass, जानिए इसके फायदे

सर्दी हो या गर्मियों हर मौसम में सेहत का खास ख्याल रखना पड़ता है। हर मौसम में शरीर को विटामिन्स, कैल्शियम, खनिज और प्रोटीन की खास जरूरत होती है। खुद को बीमारियों से बचाने और हैल्दी रहने के लिए आप कई चीजों का सेवन करते है लेकिन इसके बावजूद भी आप कई छोटी-मोटी परेशानियों की चपेट में आ जाते है। यहीं प्रॉब्लम आगे जाकर बड़ी बीमारियों का कारण बन जाती है। आज हम आपको हर मौसम में आपको स्वस्थ रखने वाली चीज के बारे में बताने जा रहें है। इसमें फैट की मात्रा तो कम होती ही है साथ ही इसमें प्रोटीन 38 फीसदी, विटामिन्स, कैल्शियम और खनिज भरपूर मात्रा में

होता है।

हम बात कर रहें है दवाइयों के रूप में इस्तेमाल होने वाली व्हीट ग्रास की। विटामिन्स ए, बी, सी, ई, कैल्शियम, आयरन, न्यूट्रिशनल और एमिनो एसिड के गुणों से भरपूर व्हीट ग्रास का 1 गिलास जूस कई बीमारियों को जड़ से खत्म कर देता है। तो चलिए जानते है रोजाना इसका सेवन किन बीमारियों को जड़ से खत्म कर देता है।

व्हीट ग्रास के फायदे

1. भूख कम करना

न्यूट्रिएंट्स से भरपूर व्हीट ग्रास का सेवन शरीर में सभी जरूरी तत्वों की कमी को पूरा करता है। इसका 1 गिलास जूस पीने से भूख कम लगती है। इसके अलावा सुबह-सुबह खाली पेट इसे खाने से दिनभर ओवर इटिंग से बचा जा सकता है।

2. पाचन में सहायक

व्हीट ग्रास में विटामिन बी, एमीनो एसिड और ऐसे एंजाइम्स होते हैं, जो खाना पचाने में मदद करते है। इसके अलावा रोजाना इसका सेवन ब्लड सर्कुलेशन ठीक रखने में मदद करता है।

3. जोड़ों में दर्द

सर्दियों में जोड़ों और घुटनों के दर्द की समस्या बढ़ जाती है। ऐसे में इसका 1 गिलास जूस हर प्रकार के दर्द और जोड़ों में सूजन को दूर करने में मदद करता है।

4. शरीर की कमजोरी

इम्यून सिस्टम कमजोर होने पर थकान और चक्कर आने जैसी परेशानियां होने लगती है। में व्हीट ग्रास में मौजूद क्लोरोफिल शरीर में ऑक्सीजन के प्रवाह को सही रखता है,. जिससे कमजोरी नहीं होती है।

5. साइनस की समस्या

सर्दी-जुकाम की समस्या में सांस लेने की तकलीफ हो जाती है। ऐसे में व्हीट ग्रास जूस का सेवन शरीर के टॉक्सिन्स को बाहर निकालकर सांस लेने की परेशानी को दूर करता है।

6. लिवर की अंदरूनी सफाई

धूम्रपान-शराब, ऑयली और स्पाइसी खाने ससे लीवर की समस्याएं हो जाती है। ऐसे में इसके पाउडर या जूस का सेवन लीवर को अंदर से साफ करके आपको इसकी बीमारियों से बचाता है।

7. कैंसर

इसमें मौजूद मिनरल्स शरीर के विषैले पदार्थों को बाहर निकालकर आपको कैंसर के खतरे से बचाते है। इसका सेवन करने से शरीर में ब्लड का सही सकुर्लेशन होता है और ऑक्सीजन का भी प्रवाह बना रहता है, जोकि कैंसर के खतरे को शरीर से दूर रखता है।

8. डायबिटीज

व्हीट ग्रास शरीर में ग्लूकोज की मात्रा को कंट्रोल करता है, जोकि डायबिटीज मरीजों के लिए फायदेमंद है। इसका 1 गिलास जूस का सेवन डायबिटीज मरीजों के लिए बेहद फायदेमंद होता है।

बढ़ते वातावरण प्रदूषण या धूप के कारण महिलाओं को अक्सर टैंनिग की समस्या हो जाती है। सर्दियों में भी धूप का मजा लेने के लिए लोग ज्यादा से ज्यादा समय बैठे रहते है लेकिन सूरज की तेज किरणें चेहरे पर बुरा असर डालती है। इससे चेहरे का ग्लो गायब हो जाता है और सन टैनिंग का असर धीरे-धीरे दिखाई देने लगता है। धूप में लगातार बैठने के कारण सन बर्न होना आम समस्या है, जिसे कुछ आसान घरेलू नुस्खों से दूर किया जा सकता है। आज हम आपको ऐसे घरेलू उपाय बताएंगे, जिससे चेहरे के पोर्स को ठंडक मिलेगी और सन टैनिंग की समस्या दूर हो जाएगी।

सन टैनिंग से मिलेगी राहत अपनाएं ये घरेलू नुस्खे

1. दही और टमाटर

एंटीऑक्सीडेंट के गुणों से भरपूर दही सन टैनिंग की समस्या को मिनटों में दूर करता है। टमाटर और 1-2 टीस्पून दही को ब्लैंड करके चेहरे पर 20 मिनट तक लगाएं और इसके बाद चेहरा धो लें।

2. शहद और पपीता

4-5 कप पपीते के गूदे में 1 टीस्पून शहद मिक्स करें। इसे स्मूद करके चेहरे पर लगाएं। 30 मिनट चेहरे को पानी से धो लें। हफ्ते में कम से कम 3 बार इसका इस्तेमाल सन टैनिंग की समस्या दूर हो जाएगी।

3. मसूर की दाल

2 टेबलस्पून मसूर की दाल को कुछ देर पानी में भिगो दें। इसके बाद इसे छान का पीस लें और इसमें 1 टीस्पून एलोवेरा जेल, 2 टीस्पून टमाटर मिक्स करके स्मूद कर लें। इसे 20 मिनट तक चेहरे पर लगाकर साफ करे।

4. ओटमील

2 टीस्पून ओटमील को 5 मिनट पानी में भिगो दें। इसके बाद इसे छाल लें और इसमें शहद, 3 टीस्पून ताजा बटर मिल्क डालकर मैश कर लें। इसे 20 मिनट तक चेहरे पर लगाकर चेहरे को साफ करें।

5. मिल्क क्रीम एंड स्ट्रॉबेरी

थोड़ी-सी स्ट्राबेरी को मैश करके उसमें मिल्क क्रीम मिक्स करें। इसके बाद इसे 15-20 मिनट के लिए चेहरे पर अप्लाई करें। इसके बाद ठंडे पानी से चेहरा धो लें। आपकी सन टैनिंग की समस्या कुछ समय में ही दूर हो जाएगी।

पार्लर से नहीं, इस तरह बालों को रोज नए कलर से करें हाईलाइट

फैशन के लिए लड़कियां आजकल बालों को अलग-अलग कलर देने के लिए हाईलाइट करवाती है। बालों को हाईलाइट करवाने से हेयर काफी खूबसूरत लगते है लेकिन इसे करवाने के लड़कियां पार्लर में काफी पैसे खर्च कर देती है। पैसे खर्च करने के साथ-साथ इससे समय भी बर्बाद होता है बालों को भी नुकसान पहुंचता है। इसकी बजाए आप घर पर ही बालों को हाईलाइट करके उसे नए-नए कलर दे सकती है। इससे आपके बालों को कोई नुकसान भी नहीं होगा और अपनी पसंद से बालों को कोई भी कलर दे सकती है।

इस तरह करें बालों को हाईलाइट

आंखों को खूबसूरत दिखाने के लिए मस्कारे का इस्तेमाल तो हर कोई करता है लेकिन आज हम आपको हेयर मस्कारे से बालों को हाईलाइट करने के बारे में बताएंगे। मार्केट में मिलने वाले हेयर मस्कारा की मदद से आप बालों को घर पर ही आसानी से हाईलाइट कर सकती हैं। मार्केट में आपको इसमें कई कलर्स मिल जाएंगे, जोकि आपके बालों को नैचुरल हाईलाइट कलर देंगे। इसके अलावा इनका असर तब तक रहेंगा जब तक आप बालों को शैम्पू न कर लें।

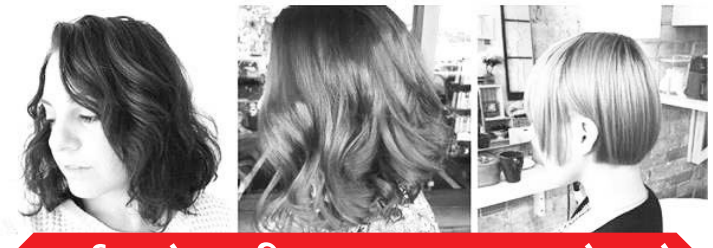

स्किन और बालों के लिए बैस्ट है Jojoba Oil

जोजोबा ऑयल जोजोबा के पौधे के बीज से निकलता है। जिसे होहोबा तेल भी कहा जाता है। इसमें विटामिन ई,जिंक,कॉपर, आयोडिन,बी कॉप्लैक्स के अलावा और भी बहुत से जरूरी तत्व शामिल होते हैं। इसका इस्तेमाल बहुत ब्यूटी प्रॉडक्ट में भी किया जाता है। यह त्वचा के साथ-साथ बालों के लिए भी फायदेमंद है। स्किन की डलनेस और रूखे पन को दूर करने के लिए यह तेल बैस्ट है। आइए जानें इसके फायदों के बारे में।

1. जोजोबा तेल मुंहासों को नियंत्रित करता है। इस तेल में बराबर मात्रा में सरसों या नारियल का तेल मिला कर इस्तेमाल करें। इसे मुंहासे नहीं होते हैं और दाग-धब्बे भी दूर हो जाते हैं।
2. रूखे- सूखे और फटे होठों को नैचुरल तरीके से मुलायम बनाने के लिए जोजोबा ऑयल के एक बूंद से होठों की मसाज करें। इससे बहुत जल्दी आराम मिलेगा।
3. सर्दी के मौसम में त्वचा में रूखापन आना आम बात है। स्किन में नैचुरल नमी बरकरार रखने के लिए जोजोबा ऑयल का इस्तेमाल किया जा सकता है। थोड़ा सा तेल रात को त्वचा और शरीर पर लगाएं। सुबह तक आपकी त्वचा इसे सोख लेगी ।
4. बढ़ती उम्र के कारण चेहरे पर झुर्रिया दिखाई दे रही हैं तो चेहरे पर रोजाना जोजोबा ऑयल लगाएं। इसके विटामिन बढ़ती उम्र का असर रोक लेंगे और इससे कोई नुकसान भी नहीं होगा। यह बहुत हानिकारक यू वी किरणों से भी आपका बचाव रखता है।
5. बालों की हर समस्याओं के लिए भी जोजोबा तेल बहुत फायदेमंद है। हफ्ते में दो बार इस तेल से बालों की मसाज करें। बालों का झड़ना,टूटना,रूसी औक रूखापन आदि इससे दूर रहता है।
6. यह बहुत अच्छा मेकअप रिमूवर भी है। रात को सोने से पहले कॉटन पर एक बूंद इस तेल को लगाकर चेहरा साफ करें।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

सोनू सूद के काम से खुश हुए महाराष्ट्र के गवर्नर

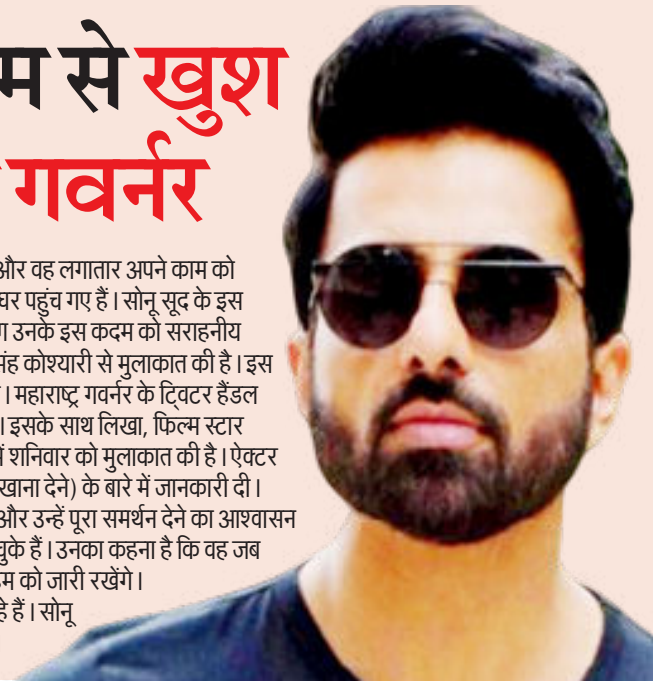

प्रवासियों को घर भेजने के लिए सोनू सूद ने मुहिम चलाई और वह लगातार अपने काम को अंजाम दे रहे हैं। उनके सहयोग से हजारों प्रवासी मुंबई से अपने घर पहुंच गए हैं। सोनू सूद के इस काम की हर तरफ तारीफ हो रही है और सोशल मीडिया पर लोग उनके इस कदम को सराहनीय बता रहे हैं। वहीं, अब सोनू सूद ने महाराष्ट्र के राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी से मुलाकात की है। इस बात की जानकारी महाराष्ट्र गवर्नर के ट्विटर हैंडल पर दी गई है। महाराष्ट्र गवर्नर के ट्विटर हैंडल पर सोनू सूद और भगत सिंह कोश्यारी की तस्वीर शेयर की गई। इसके साथ लिखा, फिल्म स्टार सोनू सूद ने महाराष्ट्र के राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी से मुंबई में शनिवार को मुलाकात की है। ऐक्टर ने राज्यपाल को अपने काम (प्रवासियों को उनके घर भेजने और खाना देने) के बारे में जानकारी दी। भगत सिंह कोश्यारी ने सोनू सूद के अच्छे काम की सराहना की और उन्हें पूरा समर्थन देने का आश्वासन दिया। सोनू सूद अब तक हजारों प्रवासी मजदूरों को घर भिजवा चुके हैं। उनका कहना है कि वह जब तक हर एक प्रवासी मजदूर उसके घर नहीं पहुंच देते, अपनी मुहिम को जारी रखेंगे। प्रवासियों को घर पहुंचाने के लिए वह 18-18 घंटे मेहनत कर रहे हैं। सोनू सूद के इस काम में उनकी दोस्त नीति गोयल पूरा साथ दे रही हैं।

ट्विटर पर वापस आईं जायरा वसीम

बीते कुछ वक्त से जायरा वसीम का नाम किसी न किसी कॉन्ट्रोवर्सी से जुड़ रहा है। रीसेंटली टिड्डियों को 'अल्लाह का कहर' बताने पर ट्रोल हुईं जायरा ने अपना ट्विटर अकाउंट डिऐक्टिवेट कर दिया था। अब उन्होंने इसे वापस ऐक्टिवेट कर लिया है। 'दंगल गर्ल' जायरा वसीम ने बीते दिनों अपने सोशल मीडिया अकाउंट्स डिऐक्टिवेट कर दिए थे। वह अब फिर से सोशल मीडिया पर वापस आ गई हैं। उन्होंने ट्वीट किया था टिड्डियों सहित और जो भी आपदाएं आ रही हैं वह पाप और बुरे कर्मों का नतीजा है। जायरा अब ट्विटर पर वापस आ गई हैं। एक यूजर ने ट्वीट किया था कि जायरा ने अकाउंट क्यों डिऐक्टिवेट किया इस पर उन्होंने जवाब दिया, क्योंकि मैं भी दूसरों की तरह इंसान हूं, जब मेरे सिर और आसपास का शोर हद पार कर जाए तो मुझे हर चीज से ब्रेक लेने की अनुमति है :) बता दें कि जायरा ने टिड्डियों को लेकर जो ट्वीट किया था उससे लोग नाराज होकर उन्हें ट्रोल करने लगे थे। इसके बाद उनका अकाउंट डिऐक्टिवेट हो गया। लोगों ने इस पर भी सवाल उठाए थे कि उन्होंने अकाउंट डिऐक्टिवेट क्यों कर दिया।

46 साल में पहली बार ट्विंकल ने खाया मां के हाथ का खाना

बॉलीवुड एक्ट्रेस ट्विंकल खन्ना लॉकडाउन के वक्त घर में परिवार वालों के साथ खूब वक्त बिता रही हैं। लॉकडाउन के दौरान वे घर में पति अक्षय कुमार और बच्चों नितारा-आरव के साथ हैं। इस बीच, पहली बार ट्विंकल खन्ना को उनकी मां डिंपल ने कुछ बना कर खिलाया है। ऐसा दावा खुद ट्विंकल खन्ना ने किया है। ट्विंकल खन्ना सोशल मीडिया पर खूब एक्टिव रहती हैं। शुक्रवार को उन्होंने इंस्टाग्राम पर फोटो शेयर की। फोटो में फ्राइड राइस दिख रहा था, जिसे उनकी मां डिंपल कपाड़िया ने बनाया था। इसी के साथ ट्विंकल ने एक दिलचस्प खुलासा भी किया। उन्होंने कहा, 'मेरी मां को 46 साल लगे, एक महामारी हुई, लॉकडाउन हुआ तब जाकर उन्होंने मेरे लिए कुछ खाना बनाया। इस फ्राइड राइस से मुझे समझ में आया कि लोग 'मां के हाथ का खाना' क्यों चाहते हैं।